बी.ए द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	रीतिकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	नाटक एवं एकांकी

Helpstudentpoint.com

बी.ए तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	निबंध एवं कथेतर गद्य विधाएँ

Scanned by CamScanner

बी.ए. तृतीय वर्ष
हिन्दी साहित्य : प्रथम प्रश्न पत्र
आधुनिक काव्य

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक: 100

पाठ्यांश :

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
   प्रिय प्रवास (षष्ठ सर्ग से) पवन संदेश
   रो रो चिंता सहित ..... वर्द्धिता थी व्यथाएँ।।
2. मैथिलीशरण गुप्त –
   साकेत – (नवम सर्ग से)–
   वेदने तू भली बनी ..... पाऊँ प्राण धनी।
   विरह संग अभिसार भी ..... और एक संसार भी।
   दरसो परसो घन बरसो ..... जन–जन के जन, बरसो।
   निरख सखी ये खंजन ..... अश्रु अर्घ्य भर लाये।
   सखि निरख नदी की धारा ..... नदी की धारा।
   यशोधरा – सिद्धि हेतु स्वामी ..... मुझसे कहकर जाते।
   रे मन आज परीक्षा तेरी ..... परीक्षा तेरी।
3. जयशंकर प्रसाद–
   बीती विभावरी जाग री (लहर से)
   अरुण यह मधुमय देश हमारा (चन्द्रगुप्त नाटक से)
   आँसू – इस करूणा कलित..... करुणा रहती थी ऐंठी।
   कामायनी – श्रद्धा सर्ग – कौन तुम ? ..... मानवता हो जाये।
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
   तुम और मै
   संध्या सुन्दरी
   तोड़ती पत्थर
   भिक्षुक
   तुलसीदास – वह आज हो गयी ..... पुष्कल रवि रेखा।
5. सुमित्रानन्दन पंत –
   मोह
   मौन निमंत्रण
   प्रथम रश्मि
   द्रुत झरो
6. महोदवी वर्मा–
   कह दे माँ अब क्या देखूं
   मैं नीर भरी दुख की बदली
   मधुर–मधुर मेरे दीपक जल
   जाग तुझको दूर जाना
7. रामधारी सिंह 'दिनकर'
   हिमालय के प्रति
   जनतंत्र का जन्म
   कुरुक्षेत्र – षष्ठ सर्ग से
   'धर्म का दीपक ..... कर्म से पशु नीच।

Helpstudentpoint.com

Scanned by CamScanner

8. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
   यह दीप अकेला
   नदी के द्वीप
   कलगी बाजरे की
   साँप
   हिरोशिमा

9. गजानन माधव 'मुक्तिबोध'–
   जन जन का चेहरा एक
   मुझे कदम–कदम पर
   भूल गलती

10. धूमिल –
   प्रौढ़ शिक्षा
   मोचीराम

11. दुष्यन्त कुमार –
   कहाँ तो तय था चिरागां.....
   ये सारा जिस्म झुककर .....
   भूख है तो सब्र कर .....
   हो गई है पीर पर्वत सी.....
   ये जो शहतीर है .....
   बाढ़ की संभावनाएँ .....

2. आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – राष्ट्रीय काव्य धारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता

3. काव्य बिम्ब, प्रतीक, मिथक, फैण्टेसी

अंक विभाजन :

प्र. 1	कुल चार व्याख्याएँ (काव्य संकलन से) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	08 X 04 = 32 अंक
प्र. 2, 3, 4	कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न (काव्य संकलन पर) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	15 X 03 = 45 अंक
प्र. 5 (अ)	कुल तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) (उत्तर सीमा 50 शब्द)	–	05 X 03 = 15 अंक
(ब)	चार अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) (उत्तर सीमा 20 शब्द) (प्रश्न 5 दूसरी व तीसरी इकाई पर आधारित होगा)	–	02 X 04 = 08 अंक

Helpstudentpoint.com

Scanned by CamScanner

बी.ए. तृतीय वर्ष
हिन्दी साहित्य : द्वितीय प्रश्न पत्र
निबन्ध एवं कथेतर गद्य विधाएँ

समय: 3 घण्टे
पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. निबन्ध :
   1. बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
   2. रामचन्द्र शुक्ल – लोकजागरण और भक्तिकाव्य
   3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज
   4. नन्द दुलारे वाजपेयी – साहित्य और सामाजिक चेतना
   5. बाबू गुलाबराय – भारतीय संस्कृति
   6. नगेन्द्र – काव्य बिम्ब: स्वरूप और प्रकार
   7. डॉ. रामविलास शर्मा – संत साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका
   8. विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
   9. कुबेरनाथ राय – हरी-हरी दूब और लाचार क्रोध
   10. डॉ. कन्हैयालाल सहल–राजस्थानी साहित्य में राष्ट्रीय भावना
2. कथेतर गद्य विधाएँ :

संस्मरण :

महादेवी वर्मा – 'सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला' ("पथ के साथी" से)
रामधारी सिंह 'दिनकर' – 'माखनलाल चतुर्वेदी' ("संस्मरण और श्रद्धांजलियाँ" से)

रेखाचित्र :

सेठ गोविन्ददास– 'मकदूम बख्श'
रामवृक्ष बेनीपुरी – 'रजिया'

रिपोर्ताज :

रांगेय राघव – 'अदम्य जीवन' ("तूफानों के बीच" से)
फणीश्वर नाथ रेणु – 'कुत्ते की आवाज' ("ऋणजल धनजल" से)

यात्रावृत्त :

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – 'बहता पानी निर्मला' ("अरे यायावर रहेगा याद" से)
धर्मवीर भारती – 'ठेले पर हिमालय' ("धर्मवीर भारती ग्रंथावली खण्ड चार" से)

आत्मकथ्य :

सं. कमलेश्वर – 'मोहन राकेश' ("गर्दिश के दिन" से)

3. निबंध एवं कथेतर गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास:–
   (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्त)
4. हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ : सामान्य परिचय
   देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

अंक विभाजन :

प्र. 1 चार व्याख्याएँ – 08 X 04 = 32 अंक
(दो व्याख्याएँ निबंध संकलन व दो कथेतर गद्य विधाओं से)
(आन्तरिक विकल्प देय)

प्र. 2, 3, 4 तीन आलोचनात्मक प्रश्न – 15 X 03 = 45 अंक
(दो प्रश्न निबंध संकलन व एक प्रश्न कथेतर गद्य विधाओं पर आधारित होगा)
(आन्तरिक विकल्प देय)

प्र. 5 (अ) तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) – 05 X 03 = 15 अंक
(उत्तर सीमा 50 शब्द)
(ब) चार लघूत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा 20 शब्द) (विकल्प देय) – 02 X 04 = 08 अंक
(प्र. 5 तीसरी एवं चौथी इकाई पर आधारित होगा)

अति

Helpstudentpoint.com

Scanned by CamScanner